परम् वन्दनीया माता जी का जन्म शताब्दी वर्ष 2026
देव परिवार निर्माण कार्ययोजना वर्ष 2026-2030

जयपुर नगर जन संख्या 44 लाख हिन्दू 77% (34 लाख) हिन्दू परिवार लगभग 7 लाख हैं ।

परम् वन्दनीया माता जी सजल श्रद्धामयी ममतामयी है तथा हमारे विराट गायत्री परिवार की अधिष्ठात्री रही हैं । परम पूज्य गुरुदेव के साथ उन्होंने एक संयुक्त परिवार का स्वरुप शांतिकुंज के रुप में स्थापित कर उसको आत्मीयता एवं परस्पर सहयोग का प्रतिमान (माडल) बनाया है। उनकी जन्म शताब्दी पर राजस्थान की राजधानी जयपुर में आगामी पांच वर्षों में दो लाख घरों को मिशन की परिवार निर्माण योजनान्तर्गत देव परिवार के रुप में विकसित करना उनके लिये एक सार्थक श्रद्धांजली होगी ।

नगर में कुल 18 सक्रिय संगठन समूह चेतना केन्द्र हैं ।

1. प्रत्येक केन्द्र के कार्यक्षेत्र में सौ सक्रिय बहनों का चयन करना एवं पंजीबद्ध करना ।
2. सभी 1800 बहनों का न्यूनतम तीन दिन का सघन प्रशिक्षण करना ।
3. प्रत्येक बहन को एक वर्ष में 24 परिवार को देव परिवार के रुप में विकसित करना इस प्रकार प्रत्येक दो परिवारों को प्रत्येक माह विकसित करना है ।
4. पांच वर्ष में 120 परिवारों को देवा परिवार बनाना ।
5. इस प्रकार पांच वर्ष में 1800X 120 = 216000 परिवार जोकि नगर के हिन्दू परिवार का 31 प्रतिशत होगा ।
6. प्रशिक्षण शांतिकुंज युवा प्रकोष्ठ, महिला मण्डल एवं जोन के सहयोग से स्थानीय स्तर पर अथवा केन्द्र शांतिकुंज में कराये जा सकते हैं।
7. इस नगर स्तरीय तीन दिवसीय प्रशिक्षण के पूर्व 18 चेतना केन्दों के संचालक एवं महिला मंडल की चयनित बहनों की एक दिवसीय संकल्प संगोष्ठी करना ।
8. प्रत्येक चयनित बहन अपने पति या सहयोगी बहन के साथ प्रतिवर्ष 24 परिवारों का अपना कार्यक्षेत्र बनायें और पांच वर्ष के उपरान्त 120 घरों का आध्यात्मिक मार्गदर्शन करेंगी तथा भविष्य में विभिन्न मिशनरी गतिविधियों को लागू करेगी।
9. देव परिवर के न्यूनतम मानक (कार्यक्रम) :-
    - घर में देव स्थापना कर गृह मंदिर स्थापित करना ।
    - नियमित भाव भरी उपासना ।

- नियमित बलिवैश्य महायज्ञ परम्परा का प्रचलन ।
- सांयकाल सत्साहित्य का पठन पाठन ।
- घर के परिजनों का संस्कार कराना ।
- धर्मघट / ज्ञानघट स्थापना ।
- तुलसी चौरा की स्थापना ।
- अपने द्वार पर देव पकरवार की नेम प्लेट लगाना एवं ध्वज जगाना ।
- घर में युग साहित्य की स्थापना ।
- मिशन की पत्र-पत्रिकाओं की सदस्यता ।
- घर नशामुक्त बनाना ।

10. देव परिवार के रुप में चयनित दम्पतियों के दम्पति शिविरों का आयोजन ।
11. जन्म शताब्दी के केन्द्रीय स्थानीय कार्यक्रमों में भागीदारी ।
12. अभियान में सम्मिलित बहनों (कार्यकर्ताओं) का समूह वाहिनी बनाकर नामकरण करना ।
13. चयनित परिवारों को प्रज्ञा - महिला - युवा मंडल में जोड़ना और गतिविधियों में शामिल करना ।
14. चयनित परिवारों के मकानों का नामकरण करना। मंगल भवन अमंगल हारी
15. चयनित दो लाख परिवारों में न्यूनतम 25 हजार अखंड ज्योति पत्रिका की सदस्यता देना।
16. यदि 50 प्रतिशत घरों में 100 रुपये का सत्साहित्य स्थापित किया जाता है तो एक करोड़ का साहित्य स्थापित किया जा सकता है।
17. आगामी माह सितम्बर 2025 में माता जी के जन्मदिवस से अभियान प्रारम्भ किया जा सकता है । आवश्यक्तानुसार उपरोक्त योजना में संशोधन कर योजना तैयार करके शांतिकुंज से अनुमति प्राप्त कर लें ।
18. पारिवारिक संगोष्ठी आयोजन नियमित अंतराल पर

----------0----------

shantikunj@awgp.org अखिल विश्व गायत्री परिवार-शान्तिकुञ्ज हरिद्वार youthcell@awgp.org

देव परिवार सदस्यता संकल्प पत्रक

परम् वंदनीया माताजी एवं अखण्डदीप के शताब्दी वर्ष 2026 के उपलक्ष्य में हम आत्म-कल्याण, परिवार-कल्याण तथा लोक मंगल की भावना से प्रेरित होकर देव परिवार की सदस्यता ग्रहण कर हम निम्नांकित संकल्प लेते हैं-

1. घर परिवार में आध्यात्मिक वातावरण बनाने हेतु भावभरी गायत्री उपासना - साधना का नियमित क्रम बनाये रखेंगे।
2. भोजन से पूर्व संक्षिप्त यज्ञ के रूप में बलिवैश्वदेव यज्ञ की परंपरा अपनायेंगे।
3. सायंकाल प्रतिदिन सत्साहित्य का व्यक्तिगत एवं पारिवारिक स्वाध्याय (पठन-पाठन) करेंगे।
4. सुसंस्कारिता की स्थापना हेतु घर में अपने तथा परिवार के सदस्यों के जन्म दिन, विवाह दिन आदि संस्कार संपन्न करायेंगे।
5. समाज में सत्प्रवृत्तियों के प्रचार-प्रसार हेतु अंशदान के रूप में प्रतिमाह ..... की राशि तथा सेवा धर्म के रूप में .....घंटे का समय प्रतिदिन लगाते रहेंगे।
6. अपने घर आंगन में तुलसी पौधे का रोपण करेंगे और नियमित रूप से सूर्यार्घदान दान करेंगे।
7. अपने घर के द्वार पर गायत्री परिवार देव परिवार के नाम की पट्टिका लगाएंगे।

Scan for online Registration

दिनांक...../...../.....

गृहस्वामी / गृहलक्ष्मी के हस्ताक्षर

.....

यहाँ से काट कर नीचे का पत्रक कार्यकर्ता रख लें.

देव परिवार सदस्यता पत्रक वर्ष 2026

नाम..... जन्म तिथि...../...../..... विवाह तिथि ...../...../..... प्रान्त.....

पिता/पति का नाम..... शैक्षणिक/तकनीकी योग्यता..... जिला.....

ग्राम/मोहल्ला..... पोस्ट..... पिन..... मोबाइल.....

E-Mail..... व्यवसाय / नौकरी / पेन्शनर / कृषि अन्य.....

पारिवारिक परिचय - *(ऊपर लिखे नाम के अतिरिक्त परिवारजनों के ही नाम लिखें)*

क्र.	नाम	जन्म तिथि	विवाह तिथि	संबंध	शिक्षा	व्यवसाय

दिनांक...../...../.....

गृहस्वामी / गृहलक्ष्मी के हस्ताक्षर

.....

shantikunj@awgp.org अखिल विश्व गायत्री परिवार-शान्तिकुञ्ज हरिद्वार youthcell@awgp.org

देव परिवार सदस्यता संकल्प पत्रक निर्देश

परम् वंदनीया माताजी एवं अखण्डदीप के शताब्दी वर्ष 2026 के उपलक्ष्य में हम अपने परिवार को देवपरिवार के रूप में विकसित करते हुए निम्नलिखित देव कार्य नियमित रूप से करने का संकल्प करते है:-

१. देव स्थापना गृह मंदिर स्थापना करना

- नियमित देवपूजन करना
- नित्य भवभारी उपासना - गायत्री मंत्र जाप करना
- प्रात: सायं भजन, आरती, चालीसा पाठ करना
- ध्यान – ३ शरीर / पंचकोशी / नादयोग करना

२. वेदस्थापना करना (घरेलू पुस्तकालय) :-

- नित्य - नियमित स्वाध्याय करना
- सायंकाल पारिवारिक स्वाध्याय करना सत्संग करना
- श्रेष्ठ पत्र - पत्रिकाओं [अखंड ज्योति, युग निर्माण, प्रज्ञा अभियान] की सदस्यता -पठन ,श्रवण, चिंतन, मनन करना

३. बलिवैश्व महायज्ञ :-

- बलिवैश्व महायज्ञ करना
- भगवान को भोग लगाकर भोजन करना
- भोजन मंत्र बोलकर भोजन करना - सात्विक सुपाच्य आहार करना

४. संस्कार परंपरा -

- जन्मदिन - विवाहदिन का आयोजन करना
- समयानुसार प्रत्येक परिजन के संस्कार कराना
- घर में सुसंस्कृत जीवनचर्या अपनाना
- पारिवारिक पंचशीलों का प्रचलन करना:- *श्रमशीलता, मित्ययता, शिष्टता, सुव्यवस्था और सहकारिता*

५. धर्मघट / ज्ञानघटों की स्थापना :-

- नित्य दान की परंपरा को निभाना
- गाय को रोटी निकालना एवं खिलाना
- घर के बच्चों से मुट्ठी भर अन्न /पैसा धर्मघट में डलवाना और उसे सद्कार्यों में लगना
- शुभ कार्यों के लिए समय दान करना

६. तुलसी रोपण एवं सूर्यार्घ्य दान एवं घर- में तुलसी का चौरा बनाना

- पूजा के उपरांत सूर्य को जल अर्पित करना
- तुलसी का महाऔषधि के रूप में सेवन
- जन्मदिन – विवाह दिन पर वृक्षारोपण करना
- सायंकाल दीप जलाना

७. घर के बाहर द्वार पर नाम पट्टिका लगाना :-

- घर के मुख्य दरवाजे पर गायत्री परिवार - देव परिवार नाम की पट्टिका लगना जिस पर गृह स्वामी / स्वामिनी का नाम हो - घर पर युग निर्माण ध्वज लगाना - घर का वास्तुपूजन कर नामकरण करना।

देव परिवार निर्माण कार्यक्रम कार्यकत्री संकल्प

मैं *(अपना पूरा नाम)* .....
शांतिकुन्ज हरिद्वार द्वारा संचालित युग निर्माण योजना, विचार क्रांति अभियान के प्रति अपनी अटूट निष्ठा एवं परम् पूज्य गुरूदेव वन्दनीया माताजी के प्रति अटूट श्रद्धा विश्वास रखते हुए नित्य स्मरणीय परम् आराध्य माता भगवती देवी शर्मा जी की जन्म शताब्दी के निमित्त व्यक्तिगत रूप से यह निम्नलिखित संकल्प लेता हूँ/लेती हूँ कि-

1. *(संख्या)* .....घरों को देव परिवार के रूप मे विकसित करेंगे । *(लक्ष्य न्यूनतम 24 घर) प्रति वर्ष*

2. जिन घरों को देव परिवार बनायेंगे उनसे सतत सम्पर्क एवं संवाद का क्रम बनाये रखेंगे ।

3. देव परिवार के रूप मे विकसित होने वाले सभी घरों को मिशन की योजनाओं, गतिविधियों से पूरी तरह आच्छादित करने का नैष्ठिक प्रयास करेंगे ।

4. अपने साथ अपने जैसी /जैसे दस और बहनों/ भाइयों को इस अभियान से जोड़कर उन्हें भी न्यूनतम 24 घरों को देव परिवार के रूप मे विकसित करने का संकल्प दिलाऊंगी / दिलांऊगा ।

दिनांक ..... पूरा नाम .....
पिता/पति का नाम.....
शिक्षा ..... आयु .....
पता ..... मो0न0 .....

हस्ताक्षर

.....

हम बदलेंगे हमारा परिवार-देव परिवार युग बदलेगा
www.awgp.org

देव परिवार निर्माण कार्यक्रम कार्यकत्री संकल्प

मैं *(अपना पूरा नाम)* .....
शांतिकुन्ज हरिद्वार द्वारा संचालित युग निर्माण योजना, विचार क्रांति अभियान के प्रति अपनी अटूट निष्ठा एवं परम् पूज्य गुरूदेव वन्दनीया माताजी के प्रति अटूट श्रद्धा विश्वास रखते हुए नित्य स्मरणीय परम् आराध्य माता भगवती देवी शर्मा जी की जन्म शताब्दी के निमित्त व्यक्तिगत रूप से यह निम्नलिखित संकल्प लेता हूँ/लेती हूँ कि-

1. *(संख्या)* .....घरों को देव परिवार के रूप मे विकसित करेंगे । *(लक्ष्य न्यूनतम 24 घर) प्रति वर्ष*

2. जिन घरों को देव परिवार बनायेंगे उनसे सतत सम्पर्क एवं संवाद का क्रम बनाये रखेंगे ।

3. देव परिवार के रूप मे विकसित होने वाले सभी घरों को मिशन की योजनाओं, गतिविधियों से पूरी तरह आच्छादित करने का नैष्ठिक प्रयास करेंगे ।

4. अपने साथ अपने जैसी /जैसे दस और बहनों/ भाइयों को इस अभियान से जोड़कर उन्हें भी न्यूनतम 24 घरों को देव परिवार के रूप मे विकसित करने का संकल्प दिलाऊंगी / दिलांऊगा ।

दिनांक ..... पूरा नाम .....
पिता/पति का नाम.....
शिक्षा ..... आयु .....
पता ..... मो0न0 .....

हस्ताक्षर

.....

युगऋषि वेदमूर्ति तपोनिष्ठ पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा लिखित परिवार निर्माण संबंधित साहित्य सूची

PN 01 परिवार निर्माण की उपयोगिता समझी जाए
PN 02 परिवार और उसका निर्माण
PN 03 परिवार निर्माण की विधि-व्यवस्था
PN 04 परिवारों में सुसंस्कारिता का वातावरण
PN 05 नर रत्नों की खान सुसंस्कृत परिवार
PN 06 गृहस्थ जीवन एक तपोवन
PN 07 गृहस्थ एक योग साधना
PN 09 बच्चों को उत्तराधिकार में धन नहीं गुण दें
PN 10 गृहस्थ में प्रवेश के पूर्व जिम्मेदारी समझें
PN 11 सफल दांपत्य जीवन के मौलिक सिद्धांत
PN 12 घर के वातावरण में स्वर्ग का अवतरण
PN 13 अभिभावकों व संतानों के बीच भावनात्मक आदान-प्रदान
PN 14 बच्चों की शिक्षा ही नहीं दीक्षा भी आवश्यक
PN 15 बच्चों के शासक नहीं सहायक बनें
PN 16 पत्नी का सम्मान गृहस्थ का उत्थान
PN 17 विवाहित जीवन का अलौकिक आनंद
PN 18 बालकों का भावनात्मक निर्माण
PN 19 बालकों का भावनात्मक विकास
PN 20 गृहस्थ योग एक सिद्धि योग
PN 21 बच्चों का निर्माण परिवार की
PN 22 परिवार को सुसंस्कृत कैसे बनाएँ ?
PN 23 सद्भाव और सहकार पर ही परिवार संस्था निर्भर
PN 24 पारिवारिक जीवन की समस्याएँ
PN 25 संयुक्त परिवार के संयुक्त उत्तरदायित्व
PN 28 सुख और प्रगति का आधार आदर्श परिवार
PN 29 घर परिवार भी एक शरीर है।
PN 30 बुढ़ापे से टक्कर लीजिए
PN 31 संस्कृत परिवार की पृष्ठभूमि
PN 32 परिवार को सुव्यवस्थित कैसे बनाएँ ?
PN 33 पतिव्रत की महिमा, पत्नीव्रत की गरिमा
PN 34/I व्यक्तित्व निर्माण की प्रयोगशाला - परिवार
PN 34/II परिवार निर्माण
PN 35 संतान उत्पादन एवं नृतत्व विज्ञान
PN 36 सुसंतति निर्माण की समग्र प्रक्रिया
PN 37 पुत्र की कामना से उद्विग्न क्यों ?

गृहगंगा—सनातन मूल्यों से प्रेरित 500+ नामों की सरिता

1. आनंदधाम
2. सत्यनिकेतन
3. वेदवाटिका
4. धर्मकुटीर
5. शिवसुधा
6. कृष्णकुंज
7. गायत्रीगृह
8. रामसंगम
9. वसुधावन
10. त्रिकालधाम
11. ध्यानमंदिर
12. संस्कारसदन
13. प्रेमप्रभा
14. सरस्वतीनिवास
15. कैलाशकुंज
16. सद्भावधाम
17. कृतार्थगृह
18. सूर्यप्रभा
19. अमृतानंद
20. विवेकनिकेतन
21. शुभवाटिका
22. आर्यमंदिर
23. शांतिकुटीर
24. योगाश्रय
25. विवेकसदन
26. हरिप्रभा
27. ब्रह्मावन
28. गोविंदधाम
29. ऋषिवाटिका
30. मातृमंदिर
31. दयानिकेतन
32. प्रज्ञाकुटीर
33. अनुग्रहधाम
34. नवसंस्कार
35. महाशांति
36. भक्तिवाटिका
37. सत्यव्रतगृह
38. वसुधासदन
39. कर्मभूमि
40. गुरुकुटीर
41. गंगावन
42. आशाभवन
43. शुभप्रस्थान
44. हृदयधाम
45. कल्पतरु
46. शुभांजलि
47. धैर्यनिकेतन
48. रामप्रिया
49. विवेकप्रभा
50. नवजीवनधाम
51. संतसदन
52. मंगलदीप
53. हरिहरनिकेतन
54. ज्ञानधारा
55. ऋतुकुटीर
56. संगमविहार
57. पवित्रधाम
58. प्रेमपथ
59. संवेदना
60. ज्योतिआलय
61. आराधना
62. चैतन्यधाम
63. सरलता
64. विवेकवाटिका
65. गौरवगृह
66. योगप्रिया
67. सत्यालोक
68. आत्मशक्ति
69. भारतीनिकेतन
70. शरणालय
71. निर्मलधाम
72. तपोवन
73. हरिकुटीर
74. ध्यानगृह
75. मानसधाम
76. कृपालु सदन
77. शिवांजलि
78. गायत्रीप्रिया
79. जीवनदीप
80. अनंतवाटिका
81. ब्रह्मनिवास
82. ज्ञानप्रवाह
83. आरवसदन
84. सदाचार
85. शांतिधारा
86. विश्वासगृह
87. भविष्यविहार
88. कृतज्ञता
89. यज्ञभूमि
90. वसुधाविहार
91. संयमसदन
92. हृदयवाटिका
93. सहजकुटीर
94. संपन्नधाम
95. स्मृतिपथ
96. प्राणप्रभा
97. गंगा-संगम
98. भारतीयप्रेरणा
99. ऋषिप्रिया
100. संध्यानिकेतन
101. स्मृति धारा
102. संतोषधाम
103. स्वास्तिक सदन
104. सद्गुणगृह
105. करुणालय
106. स्वधर्मनिकेतन
107. आलोकधाम
108. भारतीय मूल्य
109. एकता निकेतन
110. वसुधैवकुटुम्बकम्
111. संयोजनधाम
112. दिव्यप्रेरणा
113. पवित्रस्थान
114. सद्बुद्धिपथ
115. नवसंस्कारगृह
116. अहिंसावन
117. गुरुवंदन
118. आरोग्यनिकेतन
119. सर्वधर्मकुटीर
120. प्रेमप्रकाश
121. नवदिशा धाम
122. सप्तसंगम
123. कल्याणगृह
124. शुभसंकल्प
125. गौकुंज
126. श्रद्धा सदन
127. संवेदना निकेतन
128. सद्गुरुसंगम
129. महाशक्ति आलय
130. भारतसदन
131. संयमपथ
132. शुभारंभ निकेतन
133. धैर्यधाम
134. शिवोपासना
135. सहजप्रेम
136. सुनिधि कुटीर
137. संस्कारविहार
138. नवयोग निकेतन
139. विवेकप्रकाश
140. गुरुपथ
141. भारतीवाटिका
142. प्रज्ञाज्योति
143. सत्यसंकल्प
144. आत्मज्योति
145. श्रीवास्तवगृह
146. संतधारा
147. उपासनाकुटीर
148. विश्वप्रेमनिकेतन

149.विवेकसंगम
150.सनातनदीप
151. संवेद्यसदन
152.श्रद्धावन
153.भारतीयविहार
154.पवित्रप्रभा
155.उत्थानगृह
156. नवद्दिगंत
157.योगकुंज
158. संवेद्यवाटिका
159.ब्रह्मपथ
160.संपर्कस्थल
161. संतकुटीर
162. संतोषवाटिका
163. नवचेतना
164. विवेकालोक
165. श्रुति निकेतन
166. सद्भावविहार
167.आत्मानंद
168. चैतन्यप्रभा
169.गायत्रीसरिता
170.संस्कारदीप
171. सत्यमेवगृह
172.संतसंगम
173.रम्यधाम
174.आदित्यनिकेतन
175.शिवशक्ति धाम
176.अर्चनालोक
177.प्रेमदीप
178.ज्ञानसंचय
179. धर्मधारा
180. नवगुरुकुटीर
181. श्रद्धागृह
182. संपत्ति निकेतन
183. प्रभा स्थल
184. सद्भाव गंगा
185. वसुधा निकेतन
186. आश्रमसदन
187.संततिपथ
188. भारतीय चेतना
189. स्वावलंबन निकेतन
190.नवसृजनगृह
191. कर्मयोग
192.सत्यपथ धाम
193.गौरववाटिका
194.गंगासंकल्प
195.विश्वबंधु
196.रमनधाम
197. गायत्री प्रेरणा
198. विवेक साधना
199.प्रज्ञास्थल
200.अहिंसागृह
201.संस्कार संध्या
202. धर्म दीप
203. श्रद्धा प्रेरणा
204. साधनास्थल
205. सत्यश्रुति
206. भारतप्रेरणा
207. सर्वप्रेम
208. उत्थान स्थल
209. संपूर्णसदन
210.चेतनाकुंज
211. आर्यमार्ग
212. ज्ञानवाटिका
213. नवउद्यम
214. आराधना स्थल
215. प्रेमगंगा
216. भारतयोग
217.नवविवेक
218. सत्संगनिकेतन
219. संस्कारगंगा
220. संवेदनापथ
221. समर्पण स्थल
222. आस्था धाम
223. भारतीयरस
224. गायत्रीकुटी
225. ध्यानदीप
226. संयोगनिवास
227. पवित्रबोध
228. आदित्य प्रेरणा
229. शांतिवन
230. गौशक्ति धाम
231. संस्कारश्रुति
232. संघस्थान
233. प्रज्ञासंध्या
234. विवेकस्थल
235. गौरव स्थल
236. सद्भाव दीप
237. गुरुज्योति
238. आरोग्य कुटी
239. संतशक्ति
240. गंगोत्रीधाम
241. प्रणवगृह
242. उमाशक्ति आलय
243. प्रेमरसगृह
244. संवेदना स्थल
245. गायत्रीबोध
246. सत्यदीप
247. भारतीयभास
248. आदर्शगृह
249. प्रेमसृजन
250. नवचेतनास्थान
251. सत्संग दीप
252. गुरुवाणीस्थल
253. धर्मचरण
254. संस्कारप्रभा
255. शुभसंवेदना
256. नवसृजन दीप
257. अध्विक स्थल
258. गौरवगाथा
259. पारंपरिकगृह
260. श्रुति आलय
261. सत्पथ स्थल
262. गायत्रीविवेक
263. भारतस्थल
264. नवभारत प्रेरणा
265. संस्कृतिक स्थल
266. संकल्पगृह
267. प्रेमसंगम
268. सनातन उजास
269. विवेकगंगा
270. सत्यसंगम
271. शुभस्मृति
272. गौप्रेम स्थल
273. गायत्री प्रसाद
274. सर्वमंगलगृह
275. श्रद्धापथ
276. महाशक्ति प्रेरणा
277. नवज्योति स्थल
278. संपन्नभारती
279. सद्गुरु प्रेरणा
280. गायत्रीस्थान
281. उत्थानसंगम
282. सनातन दीप
283. आत्मपथ
284. संयमसंगम
285. विवेकविहार
286. श्रद्धाज्योति
287. सद्गुणवाटिका
288. शुभचेतना
289. गायत्रीआलय
290. ज्ञानदीपम
291. भारतगौरव
292. सत्संगप्रभा
293. प्रेमचरण
294. आर्यमूल्य
295. संस्कारनीति
296. ध्यानप्रेरणा

297. विश्वबंधुत्व
298. सद्भावमंदिर
299. गुरुकृपा
300. शुभगंगा
301. विवेकवंदन
302. नवसंवेदना
303. सत्यभावना
304. भारतीयविरासत
305. संस्कृति स्रोत
306. चैतन्यप्रस्फुटन
307. संघदीप
308. आत्मविवेक
309. स्वातंत्र्यकुटीर
310. भारतवंदन
311. योगध्यानधाम
312. सत्पथवाटिका
313. गौरवधारा
314. प्रेमबोध
315. संवेदनामार्ग
316. श्रद्धासिंधु
317. दिव्यसंगती
318. ज्ञानदीपालय
319. विवेकसार
320. सद्गुरु श्री
321. प्रज्ञामंत्र
322. संकल्पधारा
323. नवचेतनावन
324. भारतप्रकाश
325. संस्कारचिंतन
326. शुभप्रेरणा
327. गायत्रीजीवन
328. शिवविवेक
329. चैतन्यमार्ग
330. भारतीउज्ज्वल
331. श्रुति सौंदर्य
332. गौरवगाथास्थल
333. ध्यानउत्सव
334. सत्यगंगा
335. साधनाभूमि
336. योगप्रेरणा
337. संस्कारमनोरथ
338. आर्यज्योति
339. प्रेमआराधना
340. नवभारतधारा
341. भारतविकास निकेतन
342. सांस्कृतिकविवेक
343. ब्रह्मदृष्टि
344. श्रुति-संगम
345. विश्वचेतना गृह
346. भारतवैभव
347. शिवधारा
348. गौरव-गृह
349. समर्पणदीप
350. आदर्शनिकेतन
351. संवेदनास्थान
352. गायत्री श्रद्धा
353. शुभसंकल्पकुंज
354. ध्यानधन
355. सद्गुण संध्या
356. भारतसमृद्धि
357. प्रेमदीपक
358. श्रद्धारस
359. विवेकस्रोत
360. संस्कारवल्लरी
361. शिवप्रसन्नता
362. पवित्रविवेक
363. गौरवसुरभि
364. धैर्यकुंज
365. भारतबोध
366. आर्यकिरण
367. प्रज्ञा-संगम
368. सत्यस्वरूप
369. संस्कृतिसंधान
370. सद्गुरुपथ
371. गायत्रीचेतना
372. श्रुति-दीप
373. योगमूल्य
374. नवशांति गृह
375. गौरवमूल्य
376. ब्रह्मसंपदा
377. आरोग्यप्रकाश
378. संवेदनगंगा
379. संतसौरभ
380. भारतस्वरूप
381. सद्गुरु आलय
382. विवेकशक्ति
383. प्रेमप्रतिष्ठान
384. श्रद्धाभव
385. संस्कारबिंदु
386. ज्ञानसौरभ
387. नवविवेकस्थान
388. भारतज्ञानधाम
389. सत्संग-संपत्ति
390. गायत्री-स्मृति
391. शुभमूल्यस्थल
392. चैतन्य-संगति
393. धर्मपथ
394. आत्मगौरव
395. सद्गुणप्रस्फुटन
396. आराधनासंगम
397. गौरवमंदिर
398. संस्काररत्न
399. शिवज्ञान
400. श्रद्धाभावकुंज
401. भारतज्योति
402. चैतन्यसागर
403. विवेकमार्गस्थल
404. गायत्रीमणि
405. आर्यसंस्कारालय
406. पवित्रप्रसन्नता
407. भारतसार
408. शुभवंदन
409. ध्यानगौरव
410. सत्यार्चन
411. योगदीपक
412. संस्कारकुंज
413. प्रेमनिवास
414. गायत्री स्रोतस्थल
415. चेतनस्थली
416. साधनापथ
417. विवेकदीपम
418. ध्यानकुंज
419.ब्र ह्मधाम
420. प्रज्ञापथ
421. सत्यमार्ग
422. सनातनसमृद्धि
423. श्रुति चेतना
424. तपस्थल
425. ज्ञानसारिणी
426. योगसमर्पण
427. शिवदृष्टि
428. गायत्रीआलोक
429. प्रेमसौरभ
430. संस्कृति चेतना
431. विवेकस्त्रोत
432. सद्गुरु वंदन
433. आर्यमूलस्थान
434. संवेदनाधाम
435. चिरशांति निकेतन
436. साधनप्रभा
437. आत्मसाधना
438. श्रद्धानंद
439. धैर्यधाम
440. प्रेममूल्य
441. ब्रह्मसरिता
442. ज्योतिपथ
443. गौरवदीप

444. संस्कृतिस्वर
445. सनातनमणि
446. भारतप्रेरणाधाम
447. गायत्री समाधि
448. आत्मवंदनस्थल
449. प्रज्ञाकुंज
450. नवसंवेदना निकेतन
451. सद्भाव स्रोत
452. श्रद्धासंगती
453. ध्यानदीपम
454. चिरआस्था
455. संवेदनगाथा
456. शिवचेतना गृह
457. गुरुस्मृति
458. आरोग्यकुंज
459. सर्वमंगलदृष्टि
460. गौरव स्रोतस्थल
461. संस्कृतिसेवा
462. प्रेमचेतनालय
463. शुभप्रेमगृह
464. भारतीवीरता
465. चैतन्यभावना
466. शुभसत्कर्म धाम
467. गायत्रीशक्ति स्थल
468. आत्मदीपक
469. स्वधर्मस्थल
470. शिवमूल्य गृह
471. संतप्रकाश
472. सद्गुरुशरण
473. प्रेमदीपगृह
474. विवेकप्रेम स्थान
475. आलोक स्रोत
476. संस्कृतिरसगृह
477. धर्मसंगती
478. श्रद्धायात्रा
479. ज्ञानदीपस्थल
480. विवेककल्प
481. प्रेमबिंदु
482. भारतवंदनकुंज
483. संस्कृतिसाधना
484. गायत्रीपथदीप
485. श्रुतिकुंज
486. प्रेमवातायन
487. सत्कर्मगंगा
488. संस्कारदीपक
489. चेतनप्रकाशगृह
490. शुभविवेकगृह
491. संस्कृतिक दीप
492. गायत्रीसेतु
493. चिरसत्यधाम
494. आत्मगंगा
495. शिवसंपदा
496. भारतचेतनस्थल
497. प्रेमपथदीप
498. विवेकप्रेमधाम
499. सद्बुद्धिवाटिका
500. श्रद्धासूर्य
501. गौरवसंगति
502. प्रज्ञाप्रेरणा स्थल
503. धर्मविवेक
504. चैतन्यधारा
505. गायत्रीमनोरथ
506. संस्कारबोध
507. गुरुचरणगृह
508. सनातनसागर
509. विवेकमूर्ति
510. आलोकसंगम
511. भारतदीपस्थली
512. धैर्यगंगा
513. सत्कर्मनिवास
514. प्रेमप्रवाह
515. श्रद्धागौरव
516. संवेदनदीपक
517. शिवगौरवधाम
518. भारतीयआस्था
519. चेतनमूल्य
520. गायत्रीविरासत
521. योगवृत्ति
522. शुभस्मृति स्थल
523. प्रज्ञासिंधु
524. आर्यज्योति स्थल
525. गंगा-आलोक
526. विवेक-किरण
527. सनातन-संगति
528. सत्संग-सदन
529. ध्यान-साधना
530. गौरव-संस्कार
531. संवेदना-संगम
532. शुभसत्पथ
533. गायत्री-संगती
534. विवेक-संकल्प
535. भारत-स्नेहस्थल
536. श्रुति-प्रकाश
537. चैतन्य-स्रोत
538. शिव-प्रज्ञा
539. संतोष-साधना
540. सद्भाव-स्मृति
541. संस्कृति-संपदा
542. प्रेम-चिरंतन
543. ज्ञान-दीपस्थल
544. संयम-संगम
545. गायत्री-भावना
546. शुभ-समर्पण
547. आराधना-सदन
548. सनातन-गंगा
549. शिव-ज्योति धाम
550. संस्कृतिपथ
551. प्रेमदर्शन
552. गौरवयात्रा
553. श्रद्धाशील
554. संतसंपदा
555. ध्यानार्चना
556. गायत्रीपारिजात
557. संवेदनसरिता
558. विवेकसंगठना
559. सनातनवल्लरी
560. श्रुति-साधन
561. गौरवचेतना
562. सत्पथदीप
563. शुभस्वर
564. ज्ञानमूल्य
565. आत्मसमर्पण
566. आर्यचरणस्थल
567. भारतसद्गुण
568. प्रेमप्रकाशगृह
569. संस्कृतिसंग्रह
570. धैर्यदीपिका
571. चैतन्यप्रसंग

i. आध्यात्मिक भावनाएँ (Spiritual Emotions)

1. **श्रद्धा** – आदरपूर्ण विश्वास
2. **भक्ति** – ईश्वर के प्रति प्रेम और समर्पण
3. **वैराग्य** – सांसारिक मोह से विरक्ति
4. **शरणागति** – पूर्ण समर्पण
5. **निर्मलता** – मानसिक पवित्रता
6. **साक्षात्कार की तृष्णा** – परमात्मा के अनुभव की उत्कंठा
7. **ध्यानभाव** – एकाग्रता की स्थिति
8. **निवेदिता** – सब कुछ अर्पण करने की भावना
9. **तपस्या** – आत्मसंयम और तप का भाव
10. **सहज समाधि** – आत्मा की शांति में स्थिति

---

ii. सामाजिक व नैतिक भावनाएँ (Moral & Social Emotions)

1. **करुणा** – दूसरों के प्रति दया
2. **मैत्री** – मित्रता का भाव
3. **क्षमा** – क्षमाशीलता
4. **सहिष्णुता** – दूसरों के मत को सहने की शक्ति
5. **सहानुभूति** – दूसरों की पीड़ा को समझना
6. **सद्भावना** – सबके लिए शुभ भावना
7. **त्याग** – निःस्वार्थ समर्पण
8. **न्यायभाव** – निष्पक्षता की भावना
9. **सामूहिक चेतना** – समूह के लिए काम करने का भाव
10. **कर्तव्यपरायणता** – अपने कर्तव्य को पूरी निष्ठा से निभाना

---

iii. व्यक्तिगत भावनाएँ

1. **प्रेम** – स्नेह, अनुराग
2. **ममता** – मातृत्व का भाव
3. **आदर** – मान-सम्मान की भावना
4. **विनय** – नम्रता
5. **नम्रता** – अहंकार से रहित स्वभाव
6. **संकोच** – मर्यादा का भाव
7. **लज्जा** – शीलता का प्रतीक
8. **आत्मगौरव** – आत्मसम्मान
9. **उत्साह** – कर्म में सक्रियता
10. **धैर्य** – कठिनाई में स्थिरता

---

iv. योगिक/साधनात्मक भावनाएँ (Yogic/Disciplinary Emotions)

1. **एकाग्रता** – मन की स्थिरता
2. **निरहंकारिता** – अहंभाव का लोप
3. **संतोष** – तृप्ति की भावना
4. **स्वाध्याय** – आत्मचिंतन का भाव
5. **स्वानुशासन** – आत्मनियंत्रण
6. **तितिक्षा** – सहनशीलता
7. **अनासक्ति** – फल की अपेक्षा त्याग
8. **स्मृति** – आत्म-चेतना
9. **विवेक** – सही-गलत की पहचान
10. **वैराग्य** – मोह-ममता से रहित रहना

---

v. कला व काव्य में वर्णित नव रसों से जुड़ी भावनाएँ

1. **श्रृंगार** – प्रेम व सौंदर्य
2. **वीर** – साहस और पराक्रम
3. **करुण** – दया और करुणा
4. **अद्भुत** – आश्चर्य और जिज्ञासा
5. **भयानक** – भय की भावना
6. **बीभत्स** – घृणा की भावना
7. **हास्य** – विनोद और हँसी

8. **रौद्र** – *क्रोध और उग्रता*
9. **शांत** – *आत्मिक शांति*

संस्कृति व संस्कार से जुड़े भवन नाम

1. संस्कार धाम
2. श्रद्धा निकेतन
3. विवेक कुंज
4. सत्यलोक
5. आस्था निवास
6. सद्भाव सदन
7. सद्गृह
8. धर्माश्रय
9. करुणा कुटीर
10. संवेदना सदन
11. धैर्य धाम
12. प्रेरणा प्रासाद
13. मंगलालय
14. संतोष सृजन
15. संयम सदन

आध्यात्मिक भावों से प्रेरित भवन नाम

1. ज्ञानदीप भवन
2. शांति निकेतन
3. योगाश्रय
4. ब्रह्मगृह
5. ध्यान निकुंज
6. निर्मल धाम
7. योगी निवास
8. वेदांचल
9. आर्य निकेतन
10. प्रभुप्रेरणा
11. आत्मलोक
12. सत्यप्रकाश
13. दिव्य धाम
14. परमार्थ सदन
15. नवचेतना कुंज

वैदिक/पौराणिक शब्दों पर आधारित भवन नाम

1. ऋतंभरा – *सत्यवाणी वाली*
2. सप्तपर्णी – *ज्ञान की देवी*
3. वसुधा निकेतन
4. संध्या सदन
5. तपोवन
6. कैलाश कुंज
7. संध्यानंद
8. हिमगिरी धाम
9. गायत्री निवास
10. कृपानिकेतन
11. सरस्वती सदन
12. सत्यसंधान
13. नंदनवन
14. विवेकवन
15. रमणीक आश्रय

सौंदर्य, प्रेम और शांति दर्शाने वाले नाम

1. प्रेमालय
2. स्नेह निकुंज
3. लावण्य लोक
4. सुरभि सदन
5. अनुग्रह आश्रय

6. सहज सौंदर्य धाम
7. माधुर्य सदन
8. चेतना गगन
9. रुचिर निकेतन
10. स्वर्णप्रभा
11. मंगलमयी भवन
12. चंद्रिका कुंज
13. रुचिर दीप
14. सुबोध सदन
15. कांति निकेतन

प्रकृति व पंचतत्व से जुड़े भवन नाम

1. पृथ्वी निवास
2. अग्नि आश्रय
3. वायुमंदिर
4. जलबिंदु कुंज
5. आकाशगृह
6. वनवासी सदन
7. हिमवन धाम
8. वृक्षधाम
9. सरिता निकेतन
10. हरित धाम
11. नक्षत्र निकुंज
12. चंद्रवासी
13. सौरभ सदन
14. प्रकृतिलोक
15. गंधर्वकुटीर

राष्ट्र व सांस्कृतिक चेतना से प्रेरित नाम

1. भारत भवन
2. भारती निकेतन
3. संस्कृति सदन
4. युग निर्माण धाम
5. यज्ञशाला
6. वंदेमातरम् निवास
7. स्वराज सदन
8. आर्य भूमि भवन
9. स्वदेश दीप
10. संविधान कुंज
11. राष्ट्रीय प्रेरणा निकेतन
12. युगप्रवाह गृह
13. ऋषिसंस्कार भवन
14. नवभारत निकेतन
15. देशप्रेम निवास

1. विला / बंगलों के नाम (Villa/Bungalow Names)

1. वसुंधरा विला
2. शांतिनिकेतन विला
3. अमृतधारा विला
4. दिव्यप्रभा विला
5. वैभव विला
6. चंद्रिका विला
7. नंदनवन विला
8. वसुधैव विला
9. सत्यसंधान विला
10. ऋतंभरा विला
11. कुसुमकुंज विला
12. सौभाग्य विला
13. परमशांति विला
14. आनंदवन विला
15. करुणा विला

---

2. अपार्टमेंट / हाउसिंग सोसाइटी के नाम (Apartments / Housing Society Names)

1. आर्यनिकेतन
2. गायत्री हाइट्स
3. त्रिवेणी अपार्टमेंट
4. संस्कार रेसीडेंसी
5. नवगगन अपार्टमेंट
6. एकता गार्डन
7. यशोवर्धन टावर
8. मंगलम सिटी
9. सुयश अपार्टमेंट
10. विवेक विहार
11. स्वस्तिक एनक्लेव
12. प्रभात गैलेक्सी
13. अमन धाम
14. सूर्यलोक अपार्टमेंट
15. शांति आश्रय

---

3. फ्लैट/गृह/निजी भवन के नाम (Flat/House/Personal Home Names)

1. स्नेह-सदन
2. शुभ-गृह
3. प्रेम-निवास
4. समर्पण-निकुंज
5. आस्था-धाम
6. आत्मलोक
7. यशोभूमि
8. मंगल-निवास
9. सुदर्शन सदन
10. आदित्य गृह
11. दीप्ति-धाम
12. सुरभि-निकेतन
13. सौम्यता भवन
14. प्रेरणा सदन
15. ज्योति-निकुंज

---

4. आधुनिक टाउनशिप / कॉलोनी / प्रोजेक्ट्स के लिए उपयुक्त नाम

1. यथार्थ ग्रीन सिटी
2. संस्कार वैली
3. ऋषि टाउन
4. वेदभूमि
5. एकात्म सिटी
6. संस्कृति रेजीडेंसी
7. जीवनदीप टाउन

8. श्रीराम ग्रीन पार्क
9. आरोग्य नगर
10. स्वर्णभूमि टाउनशिप
11. प्रगति उपवन
12. भारत दर्शन हाउसिंग
13. सौभाग्य नगरी
14. नवजीवन नगर
15. सद्गति रेज़ीडेंसी

---

5. प्राकृतिक और शांतिपूर्ण नाम (Inspired by Nature & Peace)

1. अमरावती गार्डन
2. नीलांजना वैली
3. चंद्रप्रभा सिटी
4. हिमगिरी हाइट्स
5. सरिता धाम
6. पुष्पांजलि नगर
7. अंबरधारा
8. सुरभि वाटिका
9. नवपल्लव सिटी
10. हरित गंगा
11. गंधर्व वन
12. पंचवटी
13. वसुंधरा धाम
14. तपोवन नगर
15. स्वर्णपुष्प रेज़ीडेंस